RAJASTHAN PATRIKA, Ahmadabad, 20.7.2020
Page No. 1, Size:(8.27)cms X (7.08)cms.

अहमदाबाद-मुंबई हाई स्पीड रेल कॉरिडोर में रास्ता बनाने को

ओवरहेड एक्स्ट्रा हाई टेंशन लाइन की जगह बनेंगे पतले-आकर्षक ट्रांसमिशन टावर

गांधीनगर @ पत्रिका. अहमदाबाद-मुंबई हाईस्पीड रेल दौड़ाने का काम गति पकड़ने लगा है। इसके लिए कॉरिडोर का रास्ता बनाने को गुजरात में ओवरहेड एक्स्ट्रा हाई टेंशन लाइनों की जगह आकर्षक, पतले और लागत प्रभावी आकर्षक ट्रांसमिशन टावरों का निर्माण किया जाएगा। ये पारंपरिक टावरों से हल्के और आकर्षक डिजाइन वाले होंगे। इन टावरों को लगाने में भूमि भी कम लगेगी।

नेशनल हाईस्पीड रेल कॉर्पोरेशन (एनएचएसआरसीएल) की प्रवक्ता सुष्मा गौर के मुताबिक गुजरात एनर्जी ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन लिमिटेड (जीईटीसीओ) के तहत अहमदाबाद-मुंबई हाई स्पीड रेल कॉरिडोर में आने वाली ओवरहेड

एक्स्ट्रा हाई टेंशन लाइनों को हटाने और बदलाव का कार्य अंतिम चरणों में हैं, जिसमें 80 फीसदी नींव और स्थानांतरण का एक तिहाई से अधिक कार्य पूर्ण हो चुका है।

नेशनल हाईस्पीड कार्पोरेशन की ओर से 1600 से अधिक इलेक्ट्रिकल ट्रांसमिशन लाइनों को स्थानांतरित किया जा रहा है जिनमें से 164 ओवरहेड लाइनें हैं और 131 ओवरहेड लाइनें गुजरात राज्य में हैं। कोरिडोर लगभग 75 फीसदी गुजरात से होकर गुजरेगा।

डिजाइन में बदलाव

नेशनल हाईस्पीड और गुजरात ट्रांसमिशन एनर्जी के इंजीनियरों ने काफी मंथन के बाद कॉरिडोर की आवश्यकताओं के हिसाब से टावरों के डिजाइन में बदलाव किया है। इस परियोजना आने वाली ट्रांसमिशन लाइनों के स्थानांतरण के लिए विशेष नैरो बेस टावर डिज़ाइन को अपनाया गया है। ये नैरो बेस टावर डिज़ाइन के लिए पारंपरिक टावरों की तुलना में टावर फ़ाउंडेशन छोटा होगा, जिसमें 80 फीसदी कम भूमि की आवश्यकता होती है। नए बेहतर डिज़ाइन में ट्रांसमिशन लाइनों की सुरक्षा और मजबूती के साथ कोई समझौता किए बिना कंकरीट बनेंगे।